खारे पानी का मगरमच्छ

संदर्भ

ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में स्थित भितरकनिका राष्ट्रीय उद्यान में इस साल नेस्टिंग सीजन के दौरान रिकॉर्ड संख्या में खारे पानी के मगरमच्छों ने अंडे दिए।

मगरमच्छ के बारे में

- इसका वैज्ञानिक नाम Crocodylus porosus है।
- इसे नदीमुख का मगरमच्छ, इंडो-पैसिफिक मगरमच्छ समुद्री मगरमच्छ, या अनौपचारिक रूप से खारे पानी के मगरमच्छ के रूप में भी जाना जाता है।
- यह सभी मगरमच्छों में सबसे बड़ा और दुनिया में सबसे बड़ा सरीसृप है।
- नर की लंबाई 6 मीटर (20 फीट) तक या वजन 1,000-1,300 किलोग्राम (2,200-2,900 पौंड) तक बढ़ जाता है। मादाएं बहुत छोटी होती हैं और शायद ही कभी 3 मीटर (10 फीट) से अधिक होती हैं।
- अपनी लंबी, शक्तिशाली पूंछ, जालीदार हिंद पैर, और लंबे, शक्तिशाली जबड़े के साथ, खारे पानी का मगरमच्छ एक उत्कृष्ट रूप से अनुकूलित जलीय शिकारी है।

वितरण

- भारत के पूर्वी तट के अलावा, भारतीय उपमहाद्वीप में खारे पानी का मगरमच्छ अत्यंत दुर्लभ है।
- ओडिशा के भीतरकनिका वन्यजीव अभयारण्य के भीतर एक बड़ी आबादी मौजूद है, जबकि छोटी आबादी पूरे सुंदरबन में और मैंग्रोव जंगलों और भारत में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के अन्य तटीय क्षेत्रों में पाई जाती है।
- खारे पानी का मगरमच्छ बांग्लादेश में भी पाया जाता है। वे एक बार श्रीलंका के अधिकांश द्वीपों में मौजूद थे।

संरक्षण की स्थिति

- आईयूसीएन: कम से कम चिंता।
- आईडब्ल्यूपीए: अनुसूची I।
- उद्धरण: परिशिष्ट I।

खतरा

- इसके मांस और अंडों के साथ-साथ इसकी व्यावसायिक रूप से मूल्यवान त्वचा के लिए अवैध शिकार।
- आवास हानि और आवास परिवर्तन।
- प्रजातियों के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण संरक्षण उपायों को लागू करना कठिन बना देता है।

सरकारी उपाय

- ओडिशा वन विभाग हर साल 1 मई 31 जुलाई से मगरमच्छों के प्रजनन और प्रजनन के दौरान पार्क में लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाता है।
- वन और पर्यावरण मंत्रालय ने, 1975 में, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के सहयोग से भितरकनिका के भीतर दंगमाला में एक मगरमच्छ प्रजनन और पालन परियोजना शुरू की थी, जिससे इसकी आबादी में वृद्धि हुई।

भारत-अफ्रीका विकास साझेदारी पर CII-EXIM बैंक कॉन्क्लेव

संदर्भ

17 अफ्रीकी देशों के उच्च स्तरीय राजनयिकों ने सीआईआई-एक्ज़िम बैंक कॉन्क्लेव के 17वें संस्करण और अन्य द्विपक्षीय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया है।

प्रमुख बिंदु

- सम्मेलन 2005 में विदेश मंत्रालय और वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के समर्थन से शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य अफ्रीकी देशों में भारत से निजी निवेश के विकास को प्रोत्साहित करना है।

महत्व

- अफ्रीका और भारत के बीच व्यापार 2001 में 7.2 अरब डॉलर से बढ़कर 2017 में 59.9 अरब डॉलर हो गया।
- भारत अब महाद्वीप का चौथा सबसे बड़ा राष्ट्रीय व्यापार भागीदार है। भारत के साथ व्यापार 2017 में कुल अफ्रीकी व्यापार का 6.4% से अधिक था।
- उप-सहारा अफ्रीका के साथ भारत का व्यापार संतुलन नकारात्मक है।
- 38 अफ्रीकी देशों ने भारत की शुल्क मुक्त टैरिफ वरीयता (डीएफटीपी) योजना से लाभ उठाया है जो भारत की कुल टैरिफ लाइनों के 98.2% तक शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करती है।
- अब तक अफ्रीकी देशों को $12.6 बिलियन की ऋण सहायता प्रदान की गई है, जिससे वे भारत के रियायती ऋणों का दूसरा सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता बन गए हैं।

• अफ्रीका में भारत का संचयी निवेश 70 अरब डॉलर है।

प्रमुख देश

• सम्मेलन के कुछ सत्र देश-विशिष्ट थे - मॉरीशस, नामीबिया और घाना।
• मॉरीशस भारत के लिए एक वित्तीय केंद्र और अफ्रीकी महाद्वीप के प्रवेश द्वार के रूप में उभरा है।
• भारत के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीपीए) करने वाला यह अब तक का पहला और एकमात्र अफ्रीकी देश है। नामीबिया अपनी संसाधन समृद्धि के लिए निवेश के लिए आकर्षक है। देश में यूरेनियम, हीरे, तांबा, फॉस्फेट आदि के समृद्ध भंडार हैं।
• देश यूरेनियम का महाद्वीप का सबसे बड़ा उत्पादक है और कजाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बाद 2021 में विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है।
• घाना स्वतंत्रता प्राप्त करने वाला उप-सहारा अफ्रीका में पहला उपनिवेश देश था। भारत अपने निर्यात के लिए सबसे बड़ा गंतव्य है।
• घाना सोना, बॉक्साइट, हीरे, तेल और गैस में समृद्ध है। यह दुनिया के बेहतरीन कोकोआ का उत्पादन करता है।

निष्क्रिय ब्लैकहोल

संदर्भ

वैज्ञानिकों ने मिल्की वे के पास में एक निष्क्रिय ब्लैक होल की खोज की है।

प्रमुख बिंदु

• लार्ज मैगेलैनिक क्लाउड में तारकीय ब्लैक होल (VFTS 243) की खोज की गई थी।
• यह एक छोटी आकाशगंगा है जो आकाशगंगा के साथ गुरुत्वाकर्षण से जुडी हुई है।
• आमतौर पर एक ब्लैक होल तब बनता है जब किसी तारे का कोर अपने आप ढह जाता है और विस्फोट के साथ अधिक गुरुत्वाकर्षण के साथ एक संरचना बनाते हैं जिससे कि कुछ भी नहीं - यहां तक कि फोटॉन भी नहीं बच सकते हैं।
• लेकिन वीएफटीएस 243 के मामले में, ख़त्म होने वाला तारा बिना सुपरनोवा विस्फोट के सीधे ढह गया।
• इसे 'निष्क्रिय' कहा गया है क्योंकि यह उच्च स्तर की एक्स किरणों का उत्सर्जन नहीं करता है।
• प्रकाश की अनुपस्थिति में, ब्लैक होल की पहचान केवल एक्स-रे और गामा-किरणों द्वारा की जाती है, जब पास से, परिक्रमा करने वाले तारों से पदार्थ को शोख लेता है।
• ब्लैक होल सामान्य रूप से एक अन्य चमकीले तारे की परिक्रमा करते हैं जो उस तारे के साथ बाइनरी का हिस्सा था जो ब्लैक होल बन गया ।
• वैज्ञानिकों ने इसका पता लगाने के लिए VFTS 243 के साथी तारे - सूर्य से 25 गुना भारी, गर्म, नीला तारा - का उपयोग किया।
• नया खोजा गया ब्लैक होल हमारी आकाशगंगा के बाहर पूर्ण निश्चितता के साथ देखा गया पहला निष्क्रिय ब्लैक होल है।

कर-भार

संदर्भ

सरकारी अधिकारियों ने कहा है कि अब तक छूट वाले खाद्य उत्पादों की एक श्रृंखला पर लगाए गए 5% जीएसटी के संबंध में कर की घटना पूर्व जीएसटी शासन से अधिक नहीं हुई है।

प्रमुख बिंदु

• दही, लस्सी, फूला हुआ चावल, अनाज, दालें, गेहूं का आटा, छाछ जैसे खाद्य पदार्थों के 25 किलोग्राम तक वजन वाले पहले से पैक और लेबल वाले खुदरा पैक से जीएसटी छूट वापस ले ली गई है।
• कर घटना से पता चलता है कि कौन या क्या कर का बोझ अंततः वहन करता है, इसके विपरीत जो सीधे कर का भुगतान करता है।
• इसे आम तौर पर कराधान की प्रणाली में बदलाव के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है।
• किसी वस्तु पर कर का भार, मांग और आपूर्ति की कीमत लोच के आधार पर उपभोक्ताओं और उत्पादकों के बीच साझा किया जाता है।
• जब आपूर्ति मांग से अधिक लोचदार होती है, तो कर का बोझ खरीदारों पर पड़ता है। यदि मांग आपूर्ति की तुलना में अधिक लोचदार है, तो उत्पादक कर की लागत वहन करेंगे।

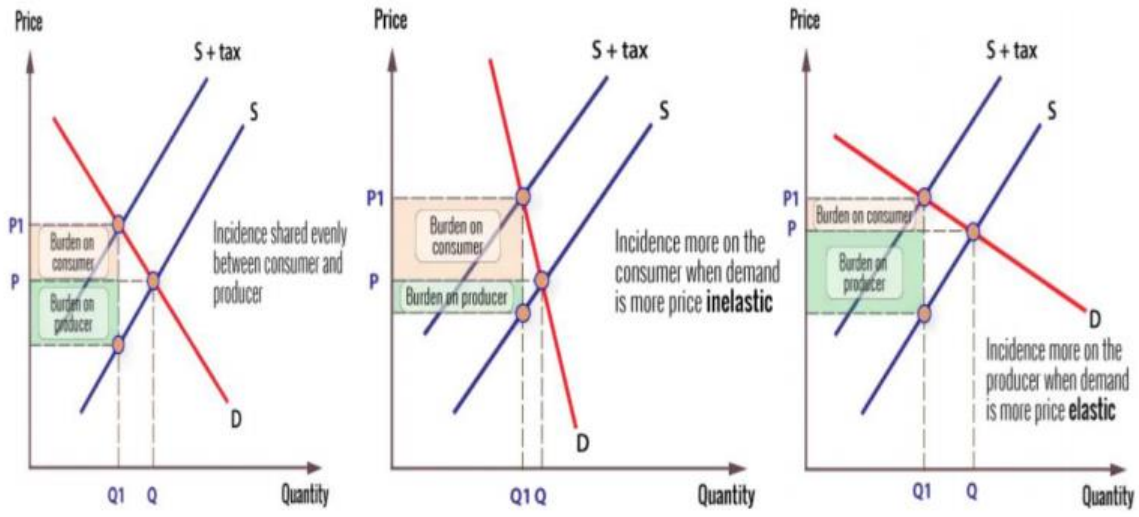

कस्तूरीरंगन रिपोर्ट

संदर्भ

हाल ही में कर्नाटक के गृह मंत्री ने ईएसए पर कस्तूरीरंगन रिपोर्ट का विरोध किया, इसे 'अवैज्ञानिक' बताया।

रिपोर्ट के बारे में

- रिपोर्ट में पश्चिमी घाट के कुल क्षेत्रफल का 37 प्रतिशत, जो लगभग 60,000 वर्ग किलोमीटर है, को पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र (ईएसए) घोषित किया जाना प्रस्तावित है।
- इसमें से 20,688 वर्ग किलोमीटर कर्नाटक राज्य में पड़ेगा, जो 1,576 गांवों को कवर करेगा।
- रिपोर्ट में खनन, उत्खनन, लाल श्रेणी के उद्योगों की स्थापना और ताप विद्युत परियोजनाओं पर रोक लगाने की सिफारिश की गई है।
- यह भी कहा गया है कि इन गतिविधियों के लिए अनुमति दिए जाने से पहले वन और वन्य जीवन पर ढांचागत परियोजनाओं के प्रभाव का अध्ययन किया जाना चाहिए।
- 39 स्थल पश्चिमी घाट में स्थित हैं और राज्यों (केरल 19), कर्नाटक (10), तमिलनाडु (6) और महाराष्ट्र (4) में वितरित किए गए हैं।
- कर्नाटक राज्य में ईएसए- 46.50 प्रतिशत का उच्चतम प्रतिशत है।

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट

सन्दर्भ

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट भारत का पहला 100 प्रतिशत जमींदार प्रमुख बंदरगाह बन गया है, जिसमें सभी बर्थ पीपीपी मॉडल पर संचालित की जा रही हैं।

प्रमुख बिंदु

- इस परियोजना से क्रेन के उपयोग और टर्मिनल की बर्थ उत्पादकता में सुधार होगा।
- जेएनपीटी की कुल हैंडलिंग 2020-21 में 1.5 मिलियन टीईयू की वर्तमान हैंडलिंग क्षमता से बढ़कर 1.8 मिलियन बीस-फुट समतुल्य इकाइयों (टीईयू) हो जाएगी।
- टर्मिनल रो-रो जहाजों को भी संभालेगा जो न केवल रसद लागत को कम करेगा और पारगमन समय को कम करेगा बल्कि सड़कों पर भीड़ को कम करने और स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने में भी योगदान देगा।
- पीपीपी मॉडल: एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) सार्वजनिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और एक नई दूरसंचार प्रणाली, सार्वजनिक परिवहन प्रणाली, हवाई अड्डे या बिजली संयंत्र जैसी पहल के लिए एक वित्त पोषण मॉडल है।

अन्य महत्वपूर्ण खबरें

वरुण

सन्दर्भ

प्रधान मंत्री ने नौसेना नवाचार और स्वदेशीकरण संगठन (एनआईआईओ) संगोष्ठी 'स्वावलंबन' में एक पायलट रहित ड्रोन के प्रदर्शन को देखा।

प्रमुख बिंदु

- ड्रोन को भारत का पहला इलेक्ट्रॉनिक मानव ले जाने वाला प्लेटफॉर्म बताया गया है।
- एक भारतीय निजी स्टार्टअप कंपनी ने इसे डिजाइन और विकसित किया है। ड्रोन का अभी ट्रायल चल रहा है।
- ड्रोन को विशेष रूप से भारतीय नौसेना के लिए बनाया गया है, जहां बल शुरू में इसका इस्तेमाल सामग्री को स्थानांतरित करने में कर सकता है।
- इसमें 25-33 मिनट के धीरज के साथ 130 किग्रा के पेलोड के साथ 25 किमी की सीमा है।

भारतीय अंटार्कटिका विधेयक: 2022

सन्दर्भ

भारतीय अंटार्कटिक विधेयक, 2022 को हाल ही में लोकसभा में चर्चा के लिए लिया गया था।

विधेयक के बारे में

• बिल अंटार्कटिक संधि, अंटार्कटिक समुद्री जीवन संसाधनों के संरक्षण पर कन्वेंशन और अंटार्कटिक संधि के लिए पर्यावरण संरक्षण पर प्रोटोकॉल को प्रभावी बनाने का प्रयास करता है।
• यह अंटार्कटिक पर्यावरण की रक्षा करने और क्षेत्र में गतिविधियों को विनियमित करने का प्रयास करता है।
• प्रयोज्यता: बिल के प्रावधान किसी भी व्यक्ति, जहाज या विमान पर लागू होंगे जो बिल के तहत जारी किए गए परमिट के तहत अंटार्कटिका के लिए भारतीय अभियान का हिस्सा है।
• अंटार्कटिका के क्षेत्रों में शामिल हैं:
।अंटार्कटिका महाद्वीप, जिसमें इसकी बर्फ की अलमारियां और उससे सटे महाद्वीपीय शेल्फ के सभी क्षेत्र शामिल हैं,
ii. 60°S अक्षांश के दक्षिण में सभी द्वीप (उनकी बर्फ की अलमारियों सहित), समुद्र और वायु क्षेत्र।

निषिद्ध गतिविधियां:

बिल अंटार्कटिका में कुछ गतिविधियों को प्रतिबंधित करता है जिनमें शामिल हैं:
परमाणु विस्फोट या रेडियोधर्मी कचरे का निपटान,
गैर-बाँझ मिट्टी का परिचय, और
समुद्र में कचरा, प्लास्टिक या अन्य पदार्थ का निर्वहन जो समुद्री पर्यावरण के लिए हानिकारक है।

औरंगाबाद का नाम बदला

सन्दर्भ

महाराष्ट्र सरकार ने हाल ही में औरंगाबाद और उस्मानाबाद शहरों का नाम बदलकर क्रमशः छत्रपति संभाजीनगर और धाराशिव करने की मंजूरी दी है।

छत्रपति संभाजी

• संभाजी भोसले 1681 से 1689 तक शासन करने वाले मराठा साम्राज्य के दूसरे छत्रपति थे।
• वह मराठा साम्राज्य के संस्थापक शिवाजी के सबसे बड़े पुत्र थे।
• संभाजी का शासन काफी हद तक मराठा साम्राज्य और मुगल साम्राज्य के साथ-साथ गोवा में सिद्दी, मैसूर और पुर्तगालियों जैसी अन्य पड़ोसी शक्तियों के बीच चल रहे युद्धों से लिया गया था।

धाराशिव गुफाएं

• धाराशिव गुफाएं भारत के महाराष्ट्र राज्य में बालाघाट पहाड़ों में उस्मानाबाद (अब धाराशिव) शहर से 8 किमी दूर स्थित 7 गुफाओं की कड़ी हैं।
• गुफाओं को भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा दर्ज गया था और जेम्स बर्गेस द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की पुस्तक में उल्लेख किया गया था।
• धाराशिव गुफाएं मूल रूप से 5वीं शताब्दी ईस्वी में बौद्ध गुफाएं थीं, जबकि 12वीं शताब्दी में कुछ गुफाओं को जैन गुफाओं में परिवर्तित कर दिया गया था।

नमस्ते योजना

सन्दर्भ

सरकार ने सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकी तंत्र नमस्ते योजना के लिए एक राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार की है।

प्रमुख बिंदु

• यह योजना पेयजल और स्वच्छता विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय का एक संयुक्त उद्यम है।
• उद्देश्य: इसका उद्देश्य भारत में स्वच्छता कार्यों में शून्य मृत्यु जैसे परिणाम प्राप्त करना है, कोई भी सफाई कर्मचारी मानव मल के सीधे संपर्क में नहीं आता है और सभी सीवर और सेप्टिक टैंक सफाई कर्मचारियों के पास वैकल्पिक आजीविका तक पहुंच हो।
• मंत्रालय ने सफाई मित्रों के लिए रखरखाव कार्यों, सुरक्षा गियर के लिए आवश्यक प्रकार की मशीनरी और मुख्य उपकरणों को शॉर्टलिस्ट किया है।
• यह राज्यों और शहरी स्थानीय निकायों द्वारा उनकी खरीद में आसानी के लिए सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल पर भी उपलब्ध है।
• राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी वित्त विकास निगम के माध्यम से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से सफाई मित्रों का विकास और प्रशिक्षण किया जा रहा है।

मंगल पांडे

सन्दर्भ

प्रधानमंत्री ने 19 जुलाई को मंगल पांडे की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मंगल पांडे के बारे में

• मंगल पांडे का जन्म ऊपरी बलिया जिले के नगवा गांव में हुआ था।
• मंगल पांडे एक भारतीय सैनिक थे जिन्होंने 1857 के भारतीय विद्रोह के फैलने से ठीक पहले की घटनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
• वह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री रेजिमेंट में एक सिपाही थे।

हर घर तिरंगा अभियान

सन्दर्भ

केंद्रीय गृह मंत्री ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत चलाए जा रहे अभियान की तैयारियों की समीक्षा की।

प्रमुख बिंदु

• केंद्र सरकार के 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत अगले महीने तीन दिनों तक देश भर में 20 करोड़ से अधिक घरों पर तिरंगा फहराया जाएगा।
• अभियान देशभक्ति की भावना को उच्चतम स्तर तक ले जाएगा।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare